छोटी लाल मुर्गी

THE LITTLE RED HEN

जनवाचन आंदोलन

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने देश भर में चल रहे साक्षरता अभियानों में उपयोग के लिए किया है। जनवाचन आंदोलन के तहत प्रकाशित इन किताबों का उद्देश्य आम जनता में पठन-पाठन संस्कृति विकसित करना है।

छोटी लाल मुर्गी	**The Little Red Hen**
.....	.....
हिंदी अनुवाद	***Hindi Translation***
अरविंद गुप्ता	Arvind Gupta
कॉपी संपादक	***Copy Editor***
राधेश्याम मंगोलपुरी	Radheshyam Mangolpuri
रेखांकन	***Illustration***
कैरन हेडॉक	Karen Haydock
कवर व ग्राफिक्स	***Cover & Graphics***
अभय कुमार झा	Abhay Kumar Jha
प्रथम संस्करण	***First Edition***
अगस्त 2008	August 2008
सहयोग राशि	***Contributory Price***
12 रुपये	Rs. 12.00
मुद्रण	***Printing***
सन साइन ऑफसेट	Sun Shine Offset
नई दिल्ली - 110 018	New Delhi - 110 018

Publication and Distribution

Bharat Gyan Vigyan Samiti

Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block, Saket , New Delhi - 110017

Phone : 011 - 26569943, Fax : 91 - 011 - 26569773

Email : bgvs_delhi@yahoo.co.in, bgvsdelhi@gmail.com

BGVS AUG 2008 2K 1200 JVA 0000/2008

छोटी लाल मुर्गी

पुरानी बात है। एक छोटी लाल मुर्गी थी। वह एक खेत में रहती थी। वह अपना अनाज खुद उगाती थी और उसी को खाती थी।

THE LITTLE RED HEN

Once upon a time there was a little red hen. She lived on a pleasant farm and ate the food she grew there.

एक दिन लाल मुर्गी को एक गेहूं का दाना पड़ा मिला। उसने सोचा– चलो मैं इसे बो दूं। उसकी फसल से मुझे खाने को कुछ अनाज मिल जाएगा।

"इस गेहूं का दाना बोने में मेरी कौन मदद करेगा?" लाल मुर्गी ने पूछा।

One day the little red hen found a grain of wheat. She thought she would plant it to grow more grain for herself.

"Who will help me plant this grain of wheat?" asked the little red hen.

"मैं नहीं," बत्तख ने कहा, "पर मैं तुम्हें कुछ कॉफी के पौधे बेंच सकती हूं। अगर तुम गेहूं की बजाय कॉफी उगाओगी तो तुम्हें कहीं ज्यादा आमदनी होगी।"

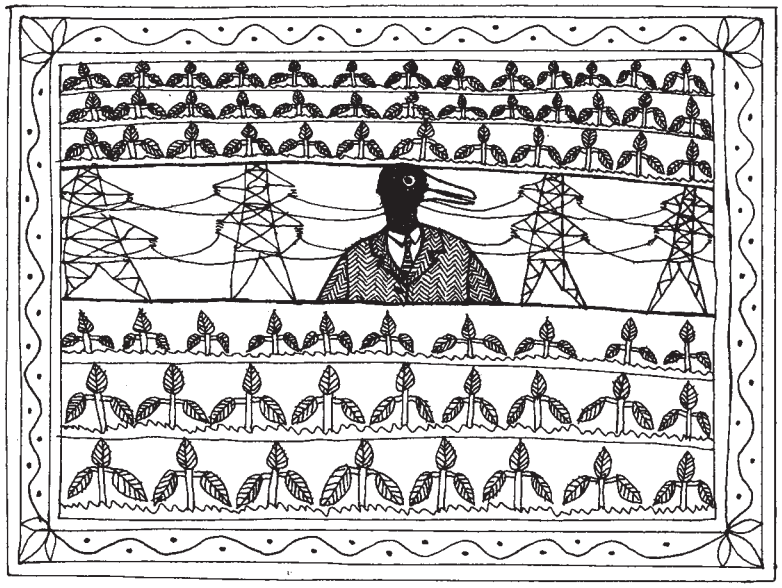

"Not I," said the duck, "but I'll sell you some coffee bushes. You'll make lots of money if you grow coffee instead of wheat."

"मैं नहीं," सुअर ने कहा, "पर जब कॉफी की फसल तैयार होगी तो मैं उसे जरूर खरीद लूंगा।"

"Not I," said the pig, "but I'll buy the coffee from you when you've grown it."

"मैं नहीं," चूहे ने कहा, "तुम्हें कॉफी की फसल बोने के लिए कर्जा की जरूरत होगी। वह मैं तुम्हें उधार दे सकता हूं।"

"Not I," said the rat, "but I'll lend you the money you need to start with."

तब छोटी लाल मुर्गी ने अपने खेत में गेहूं की बजाय कॉफी बोयी।

"कॉफी बोने में मेरी कौन मदद करेगा?" छोटी लाल मुर्गी ने पूछा।

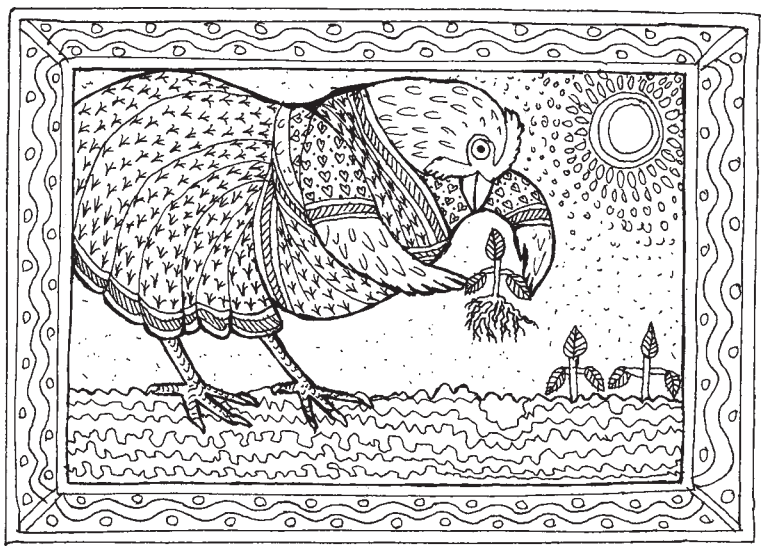

So the little red hen planted the farm with coffee instead of wheat.

"Who will help me to grow this coffee?" asked the little red hen.

"मैं नहीं," बत्तख ने कहा, "पर मैं तुम्हें अच्छी कॉफी उगाने के लिए कुछ यूरिया खाद बेंच सकती हूं।"

"Not I," said the duck, "but I'll sell you some fertilizer to help it to grow."

"मैं नहीं," सुअर ने कहा, "पर मैं फसल को कीड़ों-मकौड़ों से सुरक्षित रखने के लिए तुम्हें कुछ कीटनाशक बेंच सकता हूं।"

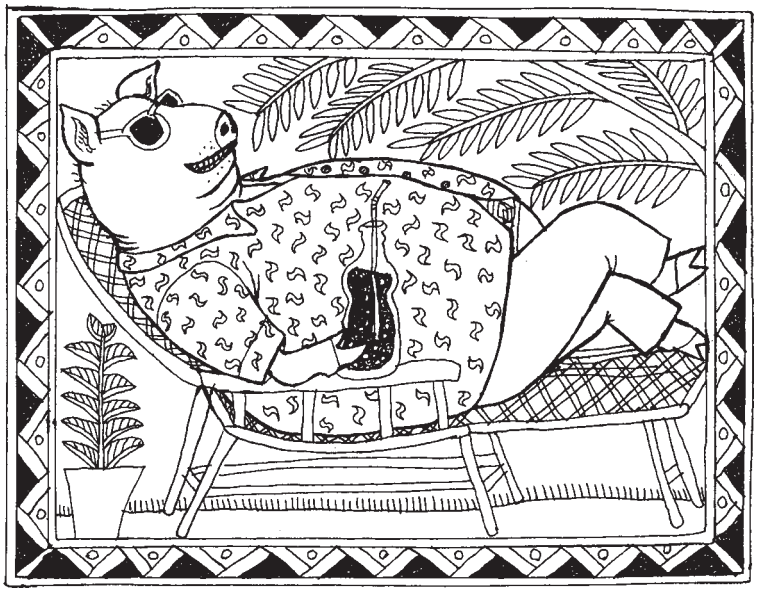

"Not I," said the pig, "but I'll sell you some pesticides to keep it free from disease."

"मैं नहीं," चूहे ने कहा, "पर मैं तुम्हें यूरिया खाद और कीटनाशक खरीदने के लिए कर्ज दे सकता हूं।"

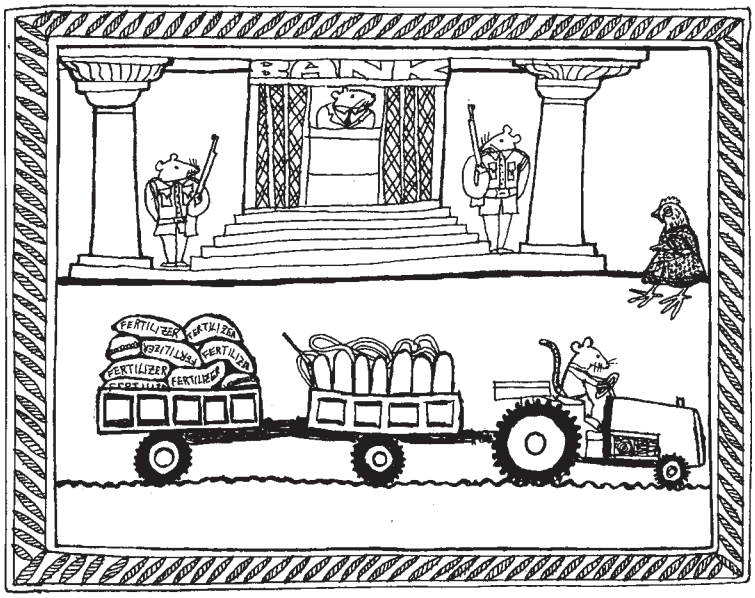

Not I," said the rat, "but I'll lend you the money to buy the fertilizer and the pesticides you need."

छोटी लाल मुर्गी ने बहुत मेहनत-मशक्कत की। उसने पूरे खेत में यूरिया खाद डाली और सभी कॉफी के पौधों पर कीटनाशक छिड़का। इसमें बहुत खर्चा हुआ। गेहूं उगाने में उसकी लागत बहुत कम आती। पर वह यही उम्मीद लगाए बैठी रही कि कॉफी की फसल उसे बहुत मुनाफा देगी।

तब तक कॉफी की फसल पककर तैयार हो गई।

So the little red hen worked long and hard. She spread the fertilizers, and sprayed the insecticide on her coffee bushes. Even though it was costing her so much more than it had done to grow her wheat, she kept thinking of the money she would get for it. Then came harvest time.

"Who will help me to sell my coffee?" asked the little red

"कॉफी बेंचने में मेरी कौन मदद करेगा?" छोटी लाल मुर्गी ने पूछा।

hen.

"मैं नहीं," बत्तख ने कहा, "पर कॉफी को भूनने और उसे पैकिट-बंद करने में तुम्हें मेरी फैक्ट्री की जरूरत होगी।"

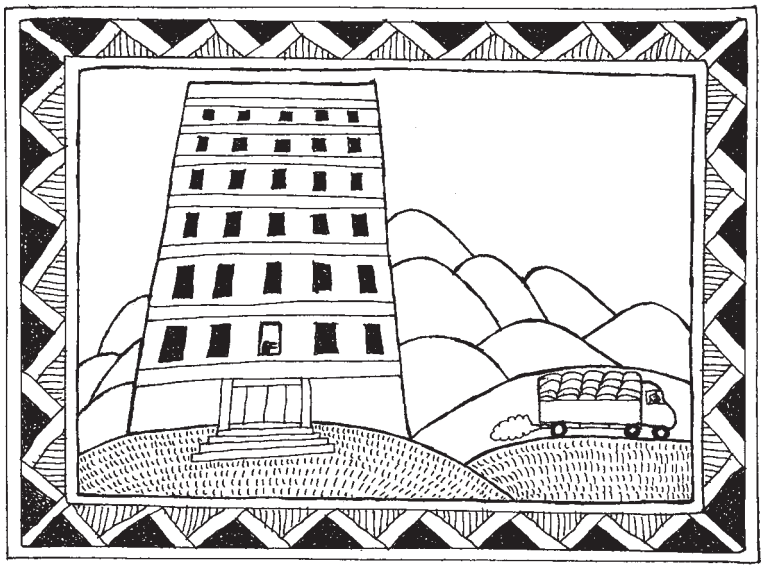

"Not I," said the duck, "but you'll need my factory to roast and pack it."

"मैं नहीं," सुअर ने कहा, "पर क्योंकि अब हर कोई कॉफी उगा रहा है, इसलिए कॉफी के दाम एकदम गिर गए हैं।"

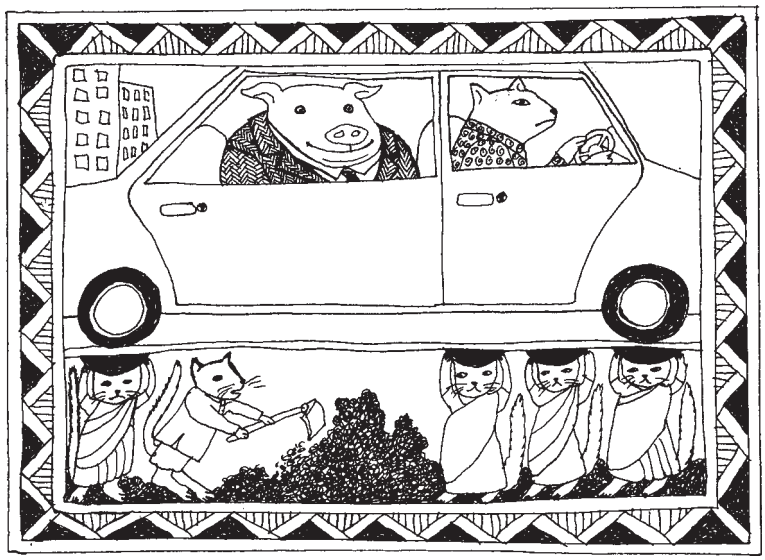

"Not I," said the pig, "everyone's growing coffee now and the price has hit rock bottom."

"मैं नहीं," चूहे ने कहा, "पर अब तुम्हें मेरा पूरा कर्जा चुकाना होगा।"

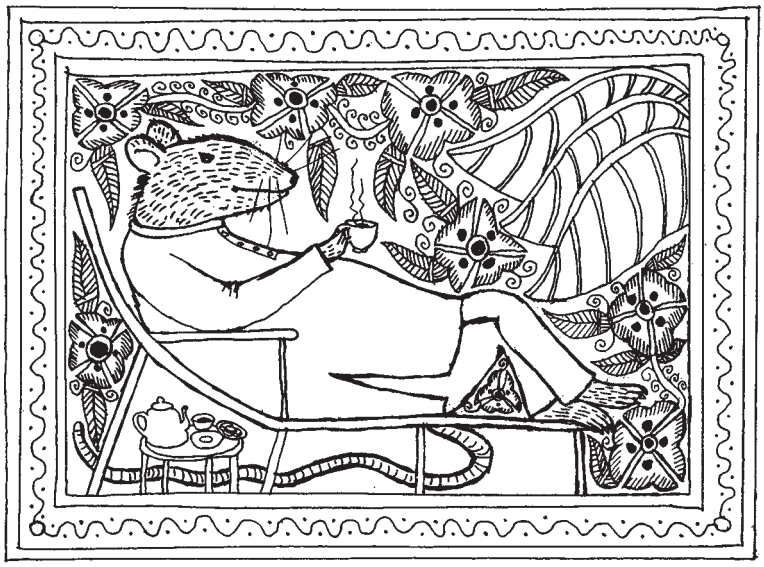

"Not I," said the rat, "but you have to repay all your debts now."

अब छोटी लाल मुर्गी को समझ में आया कि उसने गेहूं की बजाय कॉफी बोकर कितनी भयंकर गलती की थी। अब वह गहरे कर्ज में डूबी थी और उसके पास खाने को एक दाना तक न था।

"खाना तलाशने में मेरी कौन मदद करेगा?" छोटी लाल मुर्गी ने पूछा।

So the little red hen realized that she had made a mistake growing coffee instead of wheat, because she was deep in debt and had nothing to eat.

"Who will help find me something to eat?" asked the little red hen.

"मैं नहीं," बत्तख ने कहा, "तुम्हारे पास खाना खरीदने के लिए एक धेला तक नहीं है।"

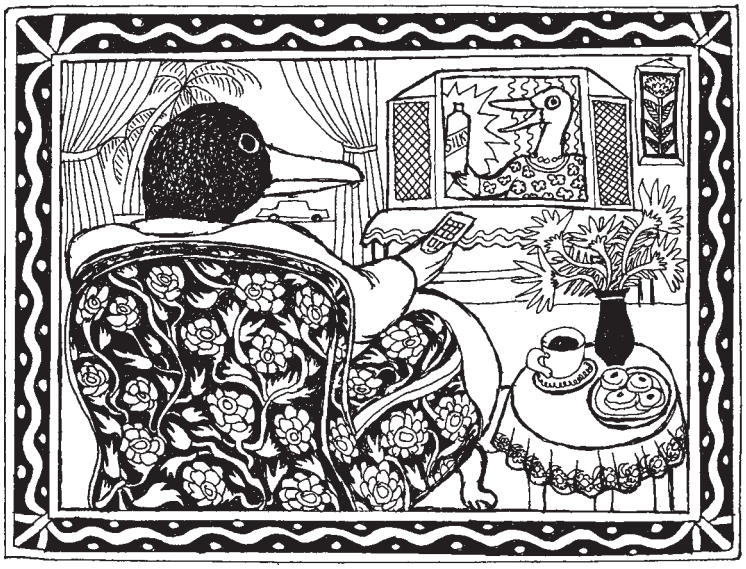

"Not I," said the duck, "you haven't got any money to pay for it."

"मैं नहीं," सुअर ने कहा, "जब से सब लोगों ने कॉफी उगाना शुरू किया है तब से अनाज की बहुत किल्लत हो गई है।'

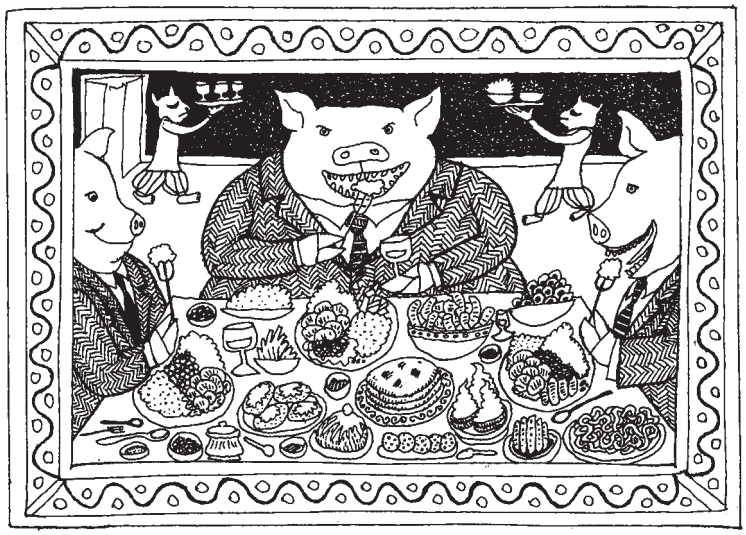

"Not I," said the pig, "there's not enough to go round since everyone started to grow coffee."

"मैं नहीं," चूहे ने कहा, "पर तुम्हारे ऊपर जो उधार है उसके बदले में मैं तुम्हारा खेत ले लूंगा। मैं शायद तुम्हें खेत पर रहने की इजाजत दे दूं, पर तुम्हें बस मेरे लिए काम करना होगा।" ❐

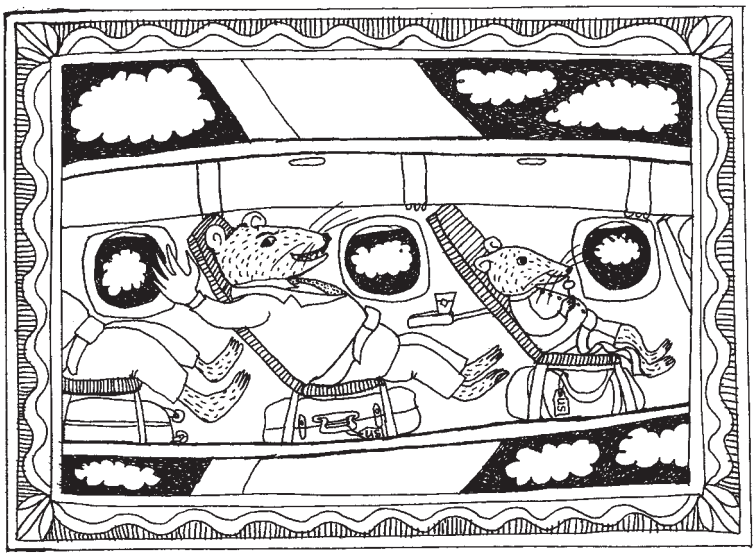

"Not I," said the rat, "but I'll take your land instead of the money you owe me and perhaps I'll let you stay and work for me." ❐